



HARYANA DEEN DAYAL PLOTS

Affordable Plotted Housing Policy 2016 (Govt. of Haryana)

License no. 32 of 2024 dated 28.02.2024 by DTCP Govt. of Haryana

Free Hold Residential Plots with Registry

Pay Rs 21,000/- To apply

Registration Amount is Fully Refundable to Unsuccessful Applicants

Bank Loan

Registry

Freehold

Gated Society

Park & Play Area

Affordable
Residential Plots
(Free Hold Residential Plots With Registry)
Sector-1, Pataudi, GurugramSector Located Right On National Highway 352W
Gurugram-Pataudi Highway
(Part of NH-352B Delhi-Jaipur Super Expressway)

- Dwarka Expressway - 15min
- Upcoming Global City - 15min
- KMP Expressway - 5min
- Proposed Disneyland/ Theme Park - 10 Min
- NH48 - 10 Min

- ONLY 30 PLOTS AVAILABLE FOR REGISTRATION
- 33% PLOTS RESERVED FOR FEMALES AND GOVERNMENT EMPLOYEES

₹82000
Per SQ.YD.

THE ONLY SECTOR IN PATAUDI- GURUGRAM WITH

- First and Closest Sector to Dwarka Expressway
- Only Developed Sector of Pataudi
- Only Sector where hundreds of High-Class, Educated Families are already living on the HUDA (Now HSVP) Plots in the Sector

IMPORTANT DATE

Last Date to Apply
09th August 2026 (Today)

before scheme ends*

Allocation Date
11th August 2026 (Tuesday)

PAYMENT PLAN

Sl. No.	Plot Size (Sq. Yd.)	Plot Size (Sq. Mtr.)	Rate per Sq. Yd.	Registration Amount	10% Within 5 Days	20% Within 30 Days (Bank Loan Available)	70% As Per Construction Linked Plan (Bank Loan Available)	Total Cost
1	131.72	110.13	₹ 82,000	₹ 21,000	₹ 10,59,104	₹ 21,60,208	₹ 75,60,728	₹ 1,08,01,040
2	140.47	117.45	₹ 82,000	₹ 21,000	₹ 11,30,854	₹ 23,03,708	₹ 80,62,978	₹ 1,15,18,540
3	160.22	133.96	₹ 82,000	₹ 21,000	₹ 12,92,804	₹ 26,27,608	₹ 91,96,628	₹ 1,31,38,040

Govt. Charges / PLC & Other charges as applicable

Registration of builder buyer agreement is mandatory after making a total payment of 10%

LOCATION ADVANTAGES

- NH-352W - 2 min
- IGI Airport - 45 min
- Pataudi Palace - 3 min
- IMT Manesar - 10 min

- Multiple Schools within 5 Min
- Collage / University 5-10 Min
- IMT Dharuhera - 10 Min
- Proposed Hospital - 1 Min

AMENITIES



Gated Community



Commercial Area

App Based
Intercom Facility

Green Park



Kids Play Area

Fresh Water
SupplyBadminton Court +
Half Basketball CourtCCTV
Surveillance

Loan Available from Leading Banks HDFC BANK

हेल्पलाइन नं. : +91-8744-865-865
Register Online: www.haryanadeendayalplots.com

Scan QR Code for Register

Disclaimer: We urges every applicant to inspect the project site and shall not merely rely upon any architectural impression, plan, sales brochure, advertisements, representations, statements of whatsoever nature and, therefore, requests to make personal judgment prior to submitting an application for allotment. Journey time shown, if any, is based upon Google Maps which may vary as per the traffic at a relevant point of time..Rate mentioned above does not include GST and other statutory charges, if applicable. 1 sq. mt.= 1.196 sq. yrd.

हांसी में स्वागत समारोह में कांग्रेस पर बरसीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नेहरू ने सत्ता के लिए देश बांटा, इंदिरा ने कुर्सी बचाने के लिए लोकतंत्र कुचला

■ कांग्रेस की राजनीति परिवार और सत्ता के इर्द गिर्द, भाजपा की ताकत उसका कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ►► हांसी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने शनिवार को हांसी में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति हमेशा सत्ता और परिवार के इर्द-गिर्द घूमती रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की सत्ता की महत्वाकांक्षा के कारण देश का विभाजन हुआ और 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोकर लोकतंत्र और संविधान को कुचलने का काम किया। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को हमेशा में और मेरा परिवार



हांसी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता को पगड़ी पहनाकर स्वागत करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

दिखाई दिया, जबकि भाजपा की राजनीति राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलती है। इससे पहले हांसी पहुंचने पर पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक विनोद भयाना ने प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता को पगड़ी पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यकर्ता युवाओं से संवाद करें

माया बैक्वेट हॉल में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कार्यकर्ता गांव-गांव और गली-गली पहुंचकर युवाओं से संवाद करें तथा उन्हें कांग्रेस के इतिहास और भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से अवगत कराएं। कांग्रेस के आमक प्रचार का जवाब कार्यकर्ता तथ्यों के साथ दें। बूथ कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही चुनाव में कमल खिलाता है। कार्यकर्ताओं के परिश्रम से केंद्र और हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनी है।

डॉ. अर्चना गुप्ता के अभिनंदन समारोह में बोले कैप्टन अभिमन्यु भाजपा में कार्यकर्ता का पद नहीं, उसकी मेहनत व निष्ठा तय करती है सम्मान

■ सामान्य कार्यकर्ता भी मेहनत के दम पर बड़ी जिम्मेदारी तक पहुंच सकता है, संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर जुटें

हरिभूमि न्यूज ►► हांसी

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पहचान उसकी अलग विचारधारा, अनुशासन और मजबूत संगठनात्मक कार्यशैली से है। भाजपा में किसी कार्यकर्ता का सम्मान उसके पद या राजनीतिक कद से नहीं, बल्कि उसकी मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा से तय होता है। यही कारण है कि पार्टी में सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत के बल पर संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक पहुंच सकता है। कैप्टन अभिमन्यु हांसी में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के



हांसी। अभिनंदन समारोह को संबोधित करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

फोटो : हरिभूमि

प्रदेश में चौथी बार भाजपा सरकार बनना तय

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चौथी बार भाजपा सरकार बनना तय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के सभी वर्गों से निरंतर संवाद, आपसी समन्वय और पूरी प्रतिबद्धता के साथ संगठन को मजबूत करने की अपील की।

खबर संक्षेप

राज्यपाल ने निजी सचिव को पद से हटाया

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने प्राइवेट सेक्रेटरी शंख चटर्जी को उनके पद से हटा दिया है। शंख चटर्जी की नियुक्ति को लेकर शुरू से ही चर्चाओं का दौर चल रहा था। पता चला है कि उनके कामकाज में कथित अनियमितताओं की शिकायतें सरकारी एजेंसियों के ध्यान में आई थीं। उनकी भूमिका की जांच हो रही थी। राज्यपाल द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि चटर्जी को तत्काल प्रभाव से हरियाणा के गवर्नर के प्राइवेट सेक्रेटरी के पद से मुक्त किया जाता है।

सोनीपत में कांग्रेस की एसआईआर पर राज्य

स्तरीय कार्यशाला चंडीगढ़। सोनीपत में कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला का उद्घाटन नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया। पार्टी प्रभारी संजय दत्त ने कार्यकर्ताओं से एसआईआर प्रक्रिया में पूरी सजगता और जिम्मेदारी से भूमिका निभाने का आह्वान किया। संजय दत्त ने कहा कि एसआईआर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। हर पात्र मतदाता का नाम सूची में सुनिश्चित होना चाहिए। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से नहीं हटना चाहिए। कार्यकर्ता बूथ स्तर पर प्रक्रिया की निगरानी करेंगे।

■ सुगम और सुरक्षित आवाजाही सरकार की प्राथमिकता
■ तारकोल की आपूर्ति में देरी होने पर काम न रोकें, सीमेंटेड सड़कों का कराया जाए निर्माण

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि प्रदेश सरकार का मुख्य और प्राथमिक लक्ष्य राज्य के नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और बाधा रहित आवाजाही की सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण और मरम्मत के सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। सड़कों की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की गति में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही न होने दी जाए। सड़कों के निर्माण व मरम्मत में ढिलाई पर ठेकेदारों पर जुर्माना और ब्लैकलिस्ट किया जाए। मुख्यमंत्री शनिवार चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में 10 प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्ष 2025-26 के रोड वर्क्स (सड़क निर्माण कार्य) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पीडब्ल्यूडी, एचएसएमबी, पंचायत विभाग, एफएमडीए, जीएमडीए, एसएमडीए, पीएमडीए, एचएसवीपी, एच एस आईआईडीसी व यूएलबीए के अधिकारियों ने शिरकत की।



हमारी सड़क एप की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने हमारी सड़क एप की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सड़कों के गड्ढे व क्षति संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से उत्पन्न समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गड्ढे तुरंत भरे जाएं और मरम्मत की रिपोर्ट ऐप पर अपलोड हो। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़कों की मैपिंग व लापरवाह ठेकेदारों पर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी सड़कों की मैपिंग कर उनकी स्थिति व रखरखाव का रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए। तारकोल की आपूर्ति में देरी होने पर काम न रोकें, सीमेंटेड सड़कों का निर्माण कराया जाए। कहा-तय समय पर काम पूरा न करने वाले ठेकेदारों पर जुर्माना, गुणवत्ता में लापरवाही पर एफआईआर और ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की जाएगी।

जल संरक्षित परियोजना को 5715 करोड़ की मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा को जल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'जल संरक्षित हरियाणा' परियोजना को विश्व बैंक ने 5,714.80 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसमें 4,000 करोड़ रुपये विश्व बैंक ऋण और 1,714.80 करोड़ रुपये राज्य सरकार देगी। परियोजना 2026 से 2032 तक छह वर्षों में लागू होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि परियोजना के तहत 104 नहरों का 2,484.87 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्वास होगा। वहीं 620 वाटर कोर्स के पुनर्रूढ़र से 3.18 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। 120 नहर आधारित सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं से 56,830 एकड़ भूमि लाभान्वित होगी। सात जिलों में करीब 131 नई वाटर बॉडीज बनाई जाएंगी।

दंपति तबादला अंकों के लिए 418 संगठनों की सूची जारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ऑनलाइन तबादलों में दंपति मामले के योग्यता अंकों के लिए 418 पात्र संगठनों की सूची जारी की है। अब कर्मचारी को ये अंक तभी मिलेंगे, जब उसका पति या पत्नी सूचीबद्ध संगठन में नियमित कर्मचारी हो और पात्रता तिथि पर हरियाणा, दिल्ली या चंडीगढ़ में तैनात हो। मानव संसाधन विभाग ने 7 अगस्त को जारी पत्र में

यह सूची दी है। इसमें हरियाणा सरकार के विभागों के अलावा केंद्र सरकार, रेलवे, सेना, बैंक, विश्वविद्यालय, मेडिकल संस्थान, बिजली निगम और न्यायालय शामिल हैं। सूची में दिल्ली सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, एम्स, पीजीआईएमएस रोहतक, एसबीआई, पीएनबी, आरबीआई

और प्रमुख रेलवे संस्थान भी शामिल हैं। हरियाणा के बिजली निगमों तथा कई सार्वजनिक उपक्रमों को भी पात्र संगठनों में रखा गया है। सूची की समय-समय पर समीक्षा और आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकेगा। सभी विभागाध्यक्षों को आदेश की जानकारी कर्मचारियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

साकेत अस्पताल में छह माह में बनेगी पेशेंट लिफ्ट, राज्यपाल ने किया शिलान्यास

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पंचकूला के मदर टेरेसा साकेत ऑथोपेडिक अस्पताल में 73.31 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पेशेंट लिफ्ट का शिलान्यास किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लिफ्ट छह माह में तैयार होगी। राज्यपाल ने अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों और परजनों से बातचीत की तथा चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ओपीडी के बाहर मरीजों के लिए पर्याप्त पंखों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ऑपरेशन थिएटर, निजी वार्ड, प्रतीक्षा कक्ष, पेयजल और अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। बाद में राज्यपाल और लेडी गवर्नर ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अस्पताल परिसर में पौधारोपण किया।



बिजली कर्मियों से हड़ताल वापस लेने की अपील

■ वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की पांच घंटे की मैराथन बैठक, बातचीत के जरिए समाधान का आश्वासन

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने बिजली निगमों के कर्मचारियों से हड़ताल का आह्वान वापस लेने और जनहित में बिजली आपूर्ति सुचारु बनाए रखने की अपील की है। सरकार ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों पर

गंभीरता से विचार कर बातचीत के जरिए समाधान निकाला जा ए गा। ए च बी पी ए न ए ल, यूएचबीवीएन और डीएचबीवीएन के प्रवक्ता के अनुसार 7 अगस्त को वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच करीब पांच घंटे बैठक हुई। इसमें कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वास्तविक मांगों पर गंभीरता से विचार होगा। सरकार ने कहा कि

वर्तमान में बिजली की मांग का पीक सीजन चल रहा है। ऐसे में बिजली आपूर्ति बाधित होने से आम जनता, किसानों और अन्य उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है। इसलिए कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने की अपील की गई है। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि डिस्कॉम के निजीकरण का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। पैरेलल लाइसेंसिंग के आवेदन का दोनों डिस्कॉम विरोध कर रहे हैं। स्मार्ट मीटरिंग की टेंडर संबंधी फाइनल प्रक्रियाधीन है।

16 दिन से पेयजल संकट एचएचआरसी ने मांगी रिपोर्ट

■ फरीदाबाद सैनिक कॉलोनी की 14 शिकायतों पर आयोग ने लिया संज्ञान, अगली सुनवाई 2 सितंबर को होगी

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

फरीदाबाद के सैनिक कॉलोनी, सेक्टर-49 में करीब 16 दिन से जारी पेयजल संकट पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने 14 शिकायतों का संज्ञान लिया है। आयोग ने नगर निगम फरीदाबाद और एफएमडीए से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार क्षेत्र

का द्यूबवेल लंबे समय से बंद है, जबकि रैनी वेल से भी नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही। पानी के टैंकर भी जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त बताए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा ने कहा कि सुरक्षित पेयजल नागरिकों के जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा है। आयोग ने अधिकारियों से जलापूर्ति की स्थिति, द्यूबवेल व बूस्टर स्टेशन की कार्यशीलता, वैकल्पिक व्यवस्था और अब तक की कार्रवाई की जानकारी मांगी है। अधिकारियों को अगली सुनवाई से एक सप्ताह पहले रिपोर्ट देनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर को होगी।

84 वरिष्ठ इयूटी पद निर्धारित, 107 सीधी भर्ती से भर्मेंगे, पंचकूला, सोनीपत व झज्जर में भी पुलिस आयुक्त पद

हरियाणा के आईपीएस कैडर में 9 पद बढ़े, संख्या 153 हुई

योगेंद्र शर्मा ►► चंडीगढ़

केंद्र सरकार ने हरियाणा के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) कैडर की कुल अधिकृत पद संख्या 144 से बढ़ाकर 153 कर दी है। इस तरह राज्य के आईपीएस कैडर में नौ पदों की वृद्धि हुई है। संशोधित कैडर संरचना में हरियाणा सरकार के अधीन 84 वरिष्ठ इयूटी पद निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही सीधी भर्ती से भरे जाने वाले पदों की संख्या 107 और पदेन्यति के माध्यम से भरे जाने वाले पदों की संख्या 46 निर्धारित की गई है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने हरियाणा सरकार से परामर्श के बाद 6 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। नए प्रावधानों को भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) तृतीय संशोधन विनियम, 2026** नाम दिया गया है। ये सरकारी

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए 33, राज्य प्रतिनियुक्ति के 21 पद

नई कैडर संरचना में 84 वरिष्ठ इयूटी पदों के अलावा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व के लिए 33 पद और राज्य प्रतिनियुक्ति रिजर्व के लिए 21 पद निर्धारित किए हैं। प्रशिक्षण रिजर्व में दो पद और छुट्टी रिजर्व तथा कनिष्ठ पद रिजर्व में 13 पद रखे गए हैं। भारतीय पुलिस सेवा भर्ती नियमावली, 1954 के नियम 9 के तहत पदेन्यति से भरे जाने वाले पदों की संख्या 46 निर्धारित की गई है, जो संबंधित श्रेणियों के 33/3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। वहीं सीधी भर्ती से भरे जाने वाले पदों की संख्या 107 रखी गई है।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में संयुक्त पुलिस आयुक्त का एक-एक पद

संशोधित कैडर सूची में गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला, सोनीपत और झज्जर के पुलिस आयुक्त का एक-एक पद रखा गया है। इसके अलावा गुरुग्राम और फरीदाबाद में संयुक्त पुलिस आयुक्त का एक-एक पद भी सूचीबद्ध है। पंचकूला के लिए पुलिस आयुक्त के साथ पुलिस उपायुक्त का भी एक पद निर्धारित किया गया है। इस तरह संशोधित सूची में पंचकूला के पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त, दोनों पद अलग-अलग दर्ज हैं।

राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी हो गए हैं।

इसके जरिए भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) विनियम, 1955 की अनुसूची में हरियाणा से संबंधित प्रविष्टियों को नई संरचना से प्रतिस्थापित किया

गया है। अधिसूचना में स्पष्ट तौर पर दर्ज है कि इसे जारी किए जाने से पहले हरियाणा कैडर की कुल अधिकृत संख्या 144 थी, जिसे अब 153 कर दिया गया है। यानी कुल संख्या में नौ पद बढ़े हैं।



सैलाब

बारिश का रौद्ररूप

जनजीवन अस्त-व्यस्त, जल निकासी व्यवस्था की खुली पोल

एमएम बारिश रोहतक में 24 घंटे के अंदर

एमएम पानी गिरा भिवानी जिले में

एमएम बरसात गुरुग्राम में हुई, सड़कें डूबीं

एमएम बारिश हुई दादरी में जलभराव

8 जिलों में भारी, बाकी में मध्यम बारिश हुई

हरिभूमि टीम ►► हरियाणा

हरियाणा में शनिवार को कई जिलों में तेज बारिश हुई। रोहतक, झज्जर और फरीदाबाद में हालात बिगड़ गए। हिसार, महेंद्रगढ़, फतेहाबाद, भिवानी, गुरुग्राम, रोहतक, फतेहाबाद और सिरसा के डबवाली में तेज बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा अन्य जिलों में अच्छी से मध्यम बारिश हुई। सड़कें पानी से लबालब हो गईं। चार से पांच फीट तक पानी भरने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। जगह-जगह लोगों को जाम की समस्या से जुझना पड़ा। इस दौरान कई जिलों में वर्षा जलित हादसे भी हुए। रोहतक में खाली प्लांट में भरे बारिश के पानी में डूबने से एक आठ साल के बच्चे की मौत हो गई, वहीं, डी-पार्क क्षेत्र में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की कोठी के सामने कई दुकानों के छज्जे गिर गए। यहां 24 घंटे में 116 एमएम बारिश दर्ज की गई। वहीं, दूसरी ओर फरीदाबाद ग्रीन फील्ड इलाके में खाली पड़े प्लांट में पानी जमा होने के कारण दीवार टूट गई। सेहतपुर इलाके में 26 वर्षीय रामखेलावन की बिजली के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। झज्जर में रातभर हुई भारी बारिश में रेवाड़ी रोड स्थित जलघर की मुख्य दीवार टूट गई। बरसाती पानी जलघर परिसर में घुस गया। हिसार के पीएलए एरिया में भी सड़कों पर जलभराव हो गया।

रोहतक : 4-4 फीट पानी

रोहतक में भारी बारिश के कारण चार-चार फीट तक पानी भर गया। राजीव कॉलोनी में एक 8 साल के बच्चे की प्लांट में भरे बरसात के पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक संतोष अपने भाई-बहनों के साथ खेलने के लिए पड़ोस में गया था, जहां प्लांट में बरसात का पानी भरा हुआ था। बच्चे खेलते हुए पानी के अंदर चले गए, जहां संतोष डूब गया।

फतेहाबाद : मकान की छत गिरी

फतेहाबाद जिले के गांव दहमन में बारिश की वजह से गामीण जिले सिंह के मकान की कच्ची छत गिर गई। इससे जिले सिंह की पत्नी कमला और बेटा रामदिया दोनों मकान के अंदर ही दब गए। गामीणों ने दोनों को मलबे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

नारनौल : पुरानी हवेली ढही, छत गिरी

नारनौल के थाना निजामपुर क्षेत्र के गांव छिलरो में एक पुरानी हवेली ढह गई। इसमें कोई नहीं रह रहा था। हवेली के मालिकों ने अपने मकान बंहा बना रखे हैं। इसी वजह से सभी सुरक्षित बच गए।



हांसी बस स्टैंड में बारिश का पानी भर गया

रेवाड़ी में जलभराव से रास्ते जाम

झज्जर में दो से तीन फीट तक पानी भरा

हिसार : मकान पर गिरी बिजली

हिसार जिले के गांव बुढ़ाखेड़ा में प्यारेलाल डुडी के मकान के चौबारे पर आकाशिय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से तेज धमका हुआ और चौबारे में लगी बिजली की फिटिंग, वायरिंग व स्विच जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दीवारों और छत से कई जगह सीमेंट भी उखड़कर नीचे गिर गया।

गुरुग्राम : वर्क फ्रॉम होम की एडवाइजरी

गुरुग्राम में भी लगातार हो रही बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ है। गुरुग्राम प्रशासन ने एक बार फिर से वर्क फ्रॉम होम की एडवाइजरी जारी की है। जिला प्रशासन ने 8 अगस्त को भी कॉरपोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को कर्मचारियों को घर से काम करने की एडवाइजरी दी है।

दस जिलों के लिए रेड आउट में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग चंडीगढ़ केंद्र की ओर से पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दस जिलों गुरुग्राम, चरखी दादरी, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, हिसार, जींद, सोनीपत और पानीपत में भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा महेंद्रगढ़, फतेहाबाद, करनाल, यमुनानगर, कैथल, सिरसा, कुरुक्षेत्र और अंबाला में ऑरेंज यानी मध्यम बारिश और पंचकुला में यलो अलर्ट यानी हल्की बारिश हो सकती है।

दिन का तापमान गिरा

लगातार हो रही बारिश और बादलों के चलते प्रदेश में औसतन अधिकतम तापमान सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया है। राज्य में सबसे अधिक तापमान करनाल में 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अंबाला में 34.8 डिग्री सेल्सियस, हिसार में 29.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं गुरुग्राम में 30.9 डिग्री सेल्सियस, नारनौल में 26.0 डिग्री सेल्सियस और रोहतक में 31.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ। रात में हल्की ठंड महसूस होने लगी है।

देश में ये हालात

हिमाचल के कुल्लू में बारिश से ब्यास नदी उफान पर

•

उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर के कई हिस्सों में भारी बारिश जलभराव से जाम की स्थिति

•

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 98 हुई, लहरीजन में बारिश से जलस्तर बढ़ा

•

ऋषिकेश में गंगा में डूबने से बचा कांवड़िया, एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

•

जम्मू-कश्मीर में 11 अगस्त तक तेज बारिश का अलर्ट रामबन में कई जगह बरसात

•

हिमाचल प्रदेश में चंडीगढ़-मनाली, मंडी-पठानकोट हाइवे समेत 162 सड़कें बंद हो गईं

दिल्ली में अब तक 127 सेंटीमीटर बारिश, 15 साल का रिकॉर्ड टूटा



नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शनिवार को अमरनाथ यात्रा फिर से रोक दी गई। प्रशासन के मुताबिक, पहलगांव और बालटाल दोनों रूट पर मरम्मत का काम चलेगा। इसलिए यात्रा को 9 अगस्त से अगले आदेश तक रोक दिया गया है। मौसम विभाग ने राजधानी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगस्त के पहले सप्ताह में दिल्ली में अब तक 127 सेंटीमीटर बारिश हो चुकी है, जो

2011 के बाद सबसे ज्यादा बारिश है। देवली इलाके में शनिवार को तेज बारिश से पार्किंग की दीवार गिर गई। इसके मलबे में आठ गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। यूपी में 25 दिनों से जारी भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं और 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। 50-60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है। आगरा में सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

खबर संक्षेप

कनाडा से 3,323 भारतीयों को वापस भेजा

ओटावा। कनाडा ने 2026 के पहले छह महीनों में 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर भेजा है।

इसके साथ ही यह संख्या पिछले छह साल के सर्वाधिक आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है।

कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के अनुसार 2025 में पूरे साल में निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या 3,779 थी जबकि इस साल के शुरुआती छह महीनों में ही 3,323 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। अब तक सबसे अधिक भारतीय वर्ष 2025 में निकाले गए थे।

अमृतसर में पाकिस्तानी घुसपैठिया मार गिराया
अमृतसर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित थाना घरिंडा के अधीन पड़ते दाउके गांव में लगी कंटीली तार के पास गोली मारकर पाकिस्तानी घुसपैठिये को शनिवार की सुबह ढेर कर दिया है। मृतक के कब्जे से इस तरह का कोई दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान हो सके। जानकारी के मुताबिक, दाउके गांव के पास लगी कंटीली तार के पास शनिवार की सुबह बीएसएफ की बटालियन गश्त कर रही थी। कंटीली तार के पास झाड़ियों में कुछ हलचल देखी गई। जवानों ने उसे बाहर निकलने को कहा, लेकिन पाक घुसपैठिए ने परवाह किए बिना आगे बढ़ना आरंभ कर दिया। इसके बाद बीएसएफ ने गोली मारकर उसे वहीं ढेर कर दिया।

50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर गिरी

हिमाचल में यात्रियों से भरी बस पलटी, सात की मौत



अंदर फंसे लोग एक-दूसरे पर गिरे, एक यात्री घायल

भरमौर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शनिवार सुबह एक प्राइवेट बस पलट गई। जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। जिनमें तीसरा अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एसपी विजय कुमार सरकारानी ने बताया कि बस सुबह 7 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए चली थी। बैरागढ़ से कुछ ही दूरी पर 'शर्मा कोच' बस जालुज मोड़ के पास बेकाबू होकर पलटी, फिर 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- बस पलटते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। अंदर फंसे लोग एक दूसरे पर जा गिरे। जेसीबी की मदद से बस को तोड़ा गया। बस में 18 के करीब यात्री सवार थे।

झारखंड में परीक्षाओं में अनियमितता दूसरे दौर की वार्ता भी बेनतीजा छात्र अभी सड़कों पर डटे हुए

रांची (एजेंसी)। झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के बीच शनिवार को दूसरे दौर की बातचीत हुई। यह वार्ता भी छात्रों की मांगों पर बिना किसी अंतिम निर्णय के समाप्त हो गई। छात्रों का कहना है कि वे भूख हड़ताल वापस लेने का फैसला करने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष इन मुद्दों के उठाने का इंतजार करेंगे। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच का 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मोरहाबादी के एक गेस्ट हाउस पहुंचा। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने मांगों को दोहराने के साथ भर्ती परीक्षाओं के उम्मीदवारों से जुड़ी कई अतिरिक्त मांगें भी रखीं।

सीबीआई या स्वतंत्र जांच कमेटी से जांच की मांग

संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में गड़बड़ी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर परीक्षा की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र जांच कमेटी से कराने की मांग की है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की गई है।

बंतो कटारिया बनीं एससी आयोग चेयरपर्सन, रेनू वाइस चेयरपर्सन

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और अंबाला से सांसद रहे स्वर्गीय रतनलाल कटारिया की धर्मपत्नी बंतो कटारिया को एससी आयोग में चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से 8 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार बंतो कटारिया को आयोग चेयरपर्सन और रेनू डाबला को वाइस चेयरपर्सन नियुक्त किया है। राज्यपाल की ओर से नियुक्तियों को मंजूरी दी गई है। बंतो कटारिया पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अंबाला से सांसद रहे स्व. रतनलाल कटारिया की पत्नी हैं। उन्होंने वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव अंबाला लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर लड़ा था। हालांकि, इस चुनाव में उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी और वर्तमान सांसद वरुण चौधरी से पराजय का सामना करना पड़ा था।



हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग में की गई नई नियुक्तियां

कटारिया का मई 2023 में निधन हो गया था। रेनू डाबला रोहतक की पूर्व मेयर रह चुकी हैं। उन्हें अब अनुसूचित जाति आयोग में वाइस चेयरपर्सन की जिम्मेदारी दी गई है। विभाग ने नियुक्ति संबंधी अधिसूचना को हरियाणा सरकार के राजपत्र में प्रकाशित करने के लिए भी भेज दिया है।

पीएम ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को दीं कई सीख छात्र सिर्फ सवाल मत पूछें, समाधान भी खोजें : मोदी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, 'हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें।'



अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा

हमेशा सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें

शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा

हर स्टूडेंट का कोई न कोई सपना

पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूँ, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा।' इसके बाद सभी लोग हंसने लगे। हर स्टूडेंट आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने सपने हैं।

दुनिया तेजी से बदल रही

छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी। जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। इंडस्ट्री और प्रोफेशन का स्वरूप बदलता रहेगा। इसलिए खुद को तैयार रखें, हर चुनौती का सामना करें।

असली जिंदगी में सबकुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है

कैपस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। आईआईटी में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है। हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा। उस समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और रग्य व बलिदान दिए। आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 साल में आप जो करेंगे, वह देश की कौन-सी जरूरत पूरी करेगा, यह आपको तय करना है।



विश्व के पहले समुद्र प्रदक्षिणा अभियान में रहीं सिरसा की बेटी, 9 महिला सैन्य अफसरों ने रचा इतिहास

मेजर कर्मजीत कौर ने 314 दिन में 47 हजार किमी समुद्र नापा

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

भारत की थल सेना, नौसेना और वायु सेना (त्रिवेणी) की 9 जाबाज महिला अधिकारियों ने विश्व के पहले समुद्र प्रदक्षिणा अभियान के तहत 314 दिन की कठिन समुद्री यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर इतिहास रच दिया है। इस अभियान में सिरसा की बेटी मेजर कर्मजीत कौर भी शामिल थीं।

मेजर कर्मजीत कौर के पति कोमलप्रीत सिंह भी मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफिसर हैं। 11 सितंबर 2025 से शुरू हुए इस संकटों से भरे अभियान को पूरा कर देश की

बेटियों ने तिरंगा फहराकर सकुशल वापसी की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभूतपूर्व समुद्र प्रदक्षिणा अभियान की सफल वापसी पर दल का औपचारिक स्वागत और महिला अधिकारियों के हौसले व साहस को सलाम करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। यही नहीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने भी इस साहसिक टीम का स्वागत किया। सिरसा स्थित अपने गांव कंगनपुर पहुंचने पर मेजर कर्मजीत कौर का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। परिजनों ने भी बेटी के सकुशल लौटने पर उसका मुंह मीठा करवाकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि

चार महासागरों को पार किया

11 सितंबर 2025 को मुंबई से शुरू की थी त्रिवेणी यात्रा, तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों ने लिया अभियान में भाग

इस यात्रा के दौरान दल ने दुनिया के चार प्रमुख महासागरों को पार किया। उन्होंने बताया कि जांबाज महिला अधिकारियों ने मुख्य रेशा को दो बार पार किया, अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा को लांबा और तीन प्रमुख अंतरीपों—केप ऑफ गुड होप, कैप लीडेन और कैप हॉर्न का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। इसके साथ ही वे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कैप हॉर्नर्स बिस्ट्री में शामिल हो गईं।

पर मुक्त कंठ से प्रशंसा की। यह मिशन न केवल भारत की नारी शक्ति और अदभ्य साहस का प्रमाण है, बल्कि तीनों सेनाओं के आपसी

तालमेल का भी एक बेहतरीन उदाहरण है। मेजर कर्मजीत कौर ने बताया कि यह दुनिया का पहला ऐसा समुद्री परिक्रमा अभियान था,

स्वदेशी पोत पर पूरा किया अभियान

मेजर कर्मजीत कौर ने बताया कि यह पूरा अभियान 50 फीट लंबे आईएससी त्रिवेणी पोत पर पूरा हुआ, जो पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया। यह आत्मनिर्भर भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का एक बड़ा प्रतीक है। हालांकि सफर के दौरान अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आईं जब बोट में भी तकनीकी खराबी आई, कई बार उनकी जान पर भी बख आई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और हर मुश्किल परिस्थिति से पार पाते हुए इस ऐतिहासिक सफर को पूरा किया। मेजर कर्मजीत कौर ने युवाओं को दिए अपने संदेश में कहा कि युवा इस सोच के साथ नेवी में न जाए कि उन्हें रिफ नौकरी ही करनी है। नौकरी के साथ-साथ देश के लिए कुछ हटकर करने के लिए आपका एक मिशन होना चाहिए, ताकि वो देशवासियों के साथ-साथ अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का काम करे।

जिसमें थल सेना, नौसेना और वायु सेना (त्रि-सेवा) की वदीधारी महिला अधिकारी शामिल थीं। दल ने 11 सितंबर 2025 को मुंबई से

अपनी यात्रा शुरू की थी और 314 दिनों में लगभग 25,500 समुद्री मील (करीब 47,000 किलोमीटर) की दूरी तय की।

ख़बर संक्षेप

विदेश मेजने के नाम पर 36.22 लाख रुपये हड़पे

जींद। गांव बधाना निवासी सुनील से गांव के ही जयदीप ने विदेश भेजने के नाम पर 36 लाख 22 हजार रुपये की ठगी कर ली। अलेवा थाना पुलिस ने सुनील की शिकायत पर जयदीप, उसके भाई दीपक व जोगेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत में सुनील ने कहा कि उसका पड़ोसी जयदीप दुबई जाना चाहता था। उसने कहा कि वह दुबई जाकर उसे भी काम दिला देगा। मार्च 2023 में जयदीप दुबई चला गया। उसने सुनील से कहा कि उसने यहां पर मेडिकल इक्विपमेंट ट्रेडिंग कंपनी खोल ली है। उसे अन्य लोगों की जरूरत है। जयदीप ने अपने भाई दीपक व बुआ के लड़के गांव बड़हप्पर निवासी जोगेंद्र को भी दुबई बुला लिया। सुनील ने कहा कि उसने अपने दोस्त कपिल, विक्रम व सलिल से भी बातचीत की। सभी दुबई जाने के लिए राजी हो गए। तीनों ने आरोपित को 36 लाख 22 हजार रुपये भेज दिए। सुनील ने कहा कि दो नंबर 2023 को वह चारों भी दुबई चले गए। यहां उनको जयदीप नहीं मिला और उन्हें बगलाता रहा। वह लोग इंतजार करने के बाद 25 जनवरी 2024 को वापस भारत आ गए। उन्हें दोबारा बुलाया गया, लेकिन इस बार भी वे मायूस लौट आए और न ही उनके पैसे वापस आए।

पलवल में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ महापंचायत 6 को

पलवल। जिले के ऐतिहासिक मिंडकौला गांव में 6 सितंबर को 52 पाल की महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज में तेजी से फैल रही कुरीतियों को जड़ से खत्म करना और दहेज प्रथा के खिलाफ कड़ा निर्णय लेना है। डागर पाल की सरदारी की ओर से इस महापंचायत के लिए पाल पंचों के अलावा सामाजिक और धार्मिक क्वताओं को निमंत्रण दिए जा रहे हैं। हरियाणा के साथ-साथ राजस्थान के नुनहैरा, बादीपुर, पलवल के मंदनाका, घरोट, भिड़की, उत्तर प्रदेश के कोटवन और जिला नूंह के बिछोर गांव में भी निमंत्रण भेजे गए हैं। इसी क्रम में पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल को भी महापंचायत में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रवीण डागर, डागर पाल के अध्यक्ष धर्मवीर डागर, जगन डागर और मुकेश डागर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पहल

सर्वजातीय दाड़न खाप की बैठक में दो दर्जन गांवों की वंशावली की पुस्तक बनाने पर चर्चा

बिना दहेज और दिखावे की शादी को बढ़ावा देगी दाड़न खाप

■ अवैध रूप से नशा बेचने वालों की सूचना प्रशासन को देंगे

हरिभूमि न्यूज ►► उजाना

सर्वजातीय दाड़न खाप चबूतरा पालवां पर शनिवार को खाप की महत्वपूर्ण बैठक प्रधान रणधीर श्योकंद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज की वंशावली सुरक्षित रखने, नशे के बढ़ते प्रचलन, गांवों में शराब के ठेकों, गंदे कल्चर व गन कल्चर, सोशल मीडिया के गलत प्रभाव, डीजे, शादी-विवाह में अनावश्यक दिखावे और दहेज प्रथा सहित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

पत्रकार वार्ता में प्रधान रणधीर श्योकंद ने बताया कि पालवां निवासी अमृत ने दादा दहाड़ से लेकर वर्तमान पीढ़ी तक का वंशावली रिकॉर्ड तैयार किया है। बैठक में इस रिकॉर्ड के आधार पर संबंधित 24 या 28 गांवों की वंश-बेल की पुस्तक प्रकाशित करवाने पर विचार किया गया।

पुस्तक में पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंशावली को व्यवस्थित रूप से सुरक्षित किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को अपने गोत्र, परिवार और पूर्वजों के इतिहास की जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि पुस्तक प्रकाशित होने से पहले रिकॉर्ड में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन या वर्तनी ठीक करवाने वाले लोग समय रहते



उजाना। मीटिंग को संबोधित करते हुए खाप प्रधान रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा।

जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने बताया कि बैठक में शादी-विवाह में तेज आवाज वाले डीजे, अनावश्यक दिखावे और बढ़ते खर्च को कम करने पर भी चर्चा हुई। विवाह समारोह को सादगीपूर्ण, मर्यादित और

संस्कारपूर्ण बनाने तथा परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करने के लिए सामाजिक सहमति बनाने पर जोर दिया गया। दहेज लेने-देने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करते हुए बिना दहेज के विवाह को बढ़ावा देने का

बहन बोली- हमें आरोपी का एनकाउंटर चाहिए

अनिल ने बताया कि किशोरी एक निजी कंपनी में काम करता था। किशोरी का शव देखते ही उसकी बहन बिलखने लगी। उन्होंने पुलिस से मांग की कि भाई को बिना किसी गलती के मारा गया है। इसलिए आरोपी को भी मौत की सजा मिले। उसने सिगरेट पीने से मना किया था। हमारे जीने का सहारा छीन लिया, उनके घर का सहारा भी छीनना चाहिए। पल्ला पुलिस थाना इंचार्ज सत्य प्रकाश ने बताया कि चाकू मारने वाले आरोपी को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिवार को सौंप दिया। परिजनों का कहना है कि सिगरेट पीने से मना करने को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस पूरा मामले की जांच कर रही है।

दर्ज कर लिया है। पल्ला थाना एरिया के ओम एन्क्लेव में किशोरी (28) अपने दोस्त अनिल के साथ शुक्रवार रात करीब 11 बजे घर से कुछ दूर खड़ा होकर बातें कर रहा था। इसी दौरान वहां आरोपी का एनकाउंटर करने की मांग की है। उधर, किशोरी के दोस्तों का कहना है कि हमलावर को किशोरी ने अपना फर्ज समझते हुए कहा था कि बच्चे सिगरेट मत पी। इसके बाद आरोपी ने तैश में आकर हमला बोल दिया। वहीं, परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस

इसके बाद नाबालिग वहां से चला गया। मगर, कुछ देर बाद ही वह वापस लौट आया। अनिल ने बताया कि नाबालिग ने जब से चाकू निकालकर किशोरी की गर्दन में मार दिया।

इसके बाद गर्दन से चाकू निकालकर पेट में धाक कर दिया। किशोरी खून से लथपथ हो गया। इसके बाद मैं अपने कुछ दोस्तों को फोन किया और किशोरी को पल्ला के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

गोदाम में घुसकर बदमाशों ने कपड़ा व्यापारियों को पीटा

पानीपत। पानीपत की बरसत रोड पर स्थित कपड़ा गोदाम में बैठे दलित व उसकी बुआ के लड़के नबील पर पड़ोसी दुकानदार कर्मबीर निवासी गांव बबेल ने अपने साथियों के साथ हमला बोल दिया। हथियारबंद बदमाशों ने दोनों को पीटकर घायल कर दिया। वहीं हमलावरों ने गोदाम में रखे सामान में जमकर तोड़फोड़ की। इधर, दलितों की शिकायत पर हुडा सेक्टर 13-17 थाना पुलिस ने मारपीट के इस मामले की जांच शुरू कर दी है। दलित का आरोप है हमलावर गल्ले में रखे छह हजार रुपये ले गए। दलित ने बताया कि उनका बरसत रोड पर वेस्ट कपड़ों का गोदाम है। पड़ोस में कर्मबीर की ऑटोमोबाइल वर्कशॉप है। दिन में चाचा गुलिस्तार की कर्मबीर के वर्क के साथ गाड़ी ठीक कराने को लेकर कहसुनी हो गई थी। इसी रजिंश में यह हमला हुआ।

सेना में भर्ती का झांसा देने वाले करनाल के दो आरोपी गिरफ्तार

धर्मशाला। धर्मशाला में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान असफल अर्थथियों को निवृत्त का झांसा देने वाले एक उग गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। धर्मशाला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी धर्मशाला में भर्ती प्रक्रिया के दौरान खुलेआम युवाओं को अपने विजिटिंग कार्ड बांट रहे थे। 9 कोर मुख्यालय की आर्मी इंटेलिजेंस यूनिट ने इस संदिग्ध गतिविधि को भांपते हुए धर्मशाला पुलिस के साथ इनपुट साझा किया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रमन निवासी गांव पिछोलीया, करनाल और शुभम निवासी गांव अपराणा, करनाल के रूप में हुई है। गौरतलब है कि पटियाला के सिविल लाइंस थाना पुलिस ने भी एएसआई दीपक शर्मा की अगुवाई में चेकिंग के दौरान ऐसे ही एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया था, जो असफल युवाओं को झांसे में ले रहे थे।

1063 निजी स्कूलों के एमआईएस पोर्टल बंद होने से रोष

हरिभूमि न्यूज ►► हांसी

हरियाणा में 1063 निजी स्कूलों के एमआईएस पोर्टल बंद किए जाने के बाद स्कूल संचालकों में रोष बढ़ गया है। इस मुद्दे को लेकर हांसी, हिसार और सिरसा जिलों के कई निजी स्कूल संचालकों की बैठक हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में हुई। बैठक में शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पोर्टल जल्द बहाल करने और समस्या का स्थायी समाधान किए जाने की मांग की गई।

स्कूल संचालकों ने आरोप लगाया कि विभागीय स्तर पर बिना उचित भौतिक सत्यापन के



हिसार। एमआईएस पोर्टल के बारे में बैठक में भाग लेते निजी स्कूलों के संचालक।

निदेशालय को भेजी गई रिपोर्ट के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। उनका कहना है कि रिपोर्ट में कई स्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों को भी गैर-मान्यता प्राप्त अथवा अस्थायी श्रेणी में दर्शा दिया गया है, जबकि कुछ स्कूल पहले से 'एजिजेंसि' सूची में

शामिल हैं। संचालकों के अनुसार, पिछले वर्ष भी इसी प्रकार की स्थिति बनी थी और बाद में विभाग ने अपनी रिपोर्ट में त्रुटि मानते हुए संबंधित स्कूलों के पोर्टल दोबारा शुरू किए थे। स्कूल संचालकों का कहना है कि एमआईएस पोर्टल स्कूलों के दैनिक

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पोर्टल बंद होने के कारण नए विद्यार्थियों का दाखिला दर्ज करने, स्कूल छोड़ चुके विद्यार्थियों के नाम हटाने तथा आवश्यक प्रमाणपत्र संबंधी प्रक्रियाएं प्रभावित हो रही हैं। संचालकों ने इस मामले के समाधान के लिए विधायक विनोद श्यामा को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। उनकी मांग है कि विधायक की मध्यस्थता से शिक्षा मंत्री और संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ स्कूल संचालकों की आमने-सामने बैठक करवाई जाए ताकि हर वर्ष सामने आने वाली इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उप स्वास्थ्य केन्द्र राई के पुराने भवन को जैसा है, जहां है के आधार पर दिनांक 11.08.2026 को सुबह 10 बजे उप स्वास्थ्य केन्द्र राई के पुराने भवन में नीलामी होगी। इच्छुक व्यक्ति को भी बोली देना चाहे मौके पर आकर बोली दे सकता है। बोली देने से पहले इच्छुक बोलीदाता को 5000/-रुपये की धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट द्वारा जो कि स्वास्थ्य कल्याण समिति, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़खालसा को देय हो दिनांक 11.08.2026 को सुबह 9:30 बजे तक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़खालसा को जमा करवानी होगी। बाकी विस्तृत शर्तें मौके पर बताई जाएंगी।

हस्ता/-वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
अमर बल्लदानी दादा कुशल सिंह दहिया
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़खालसा
मो. नं. 9355522159

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त ओम पाल @रिंकू पुत्र: नाके सिंह, निवास: म.नं. 1997, गॉव: मण्डोथी, जिला: झज्जर, हरियाणा ने FIR/Case No. 54/2017 U/s 21/25/29 NDPS Act., थाना: अपराध शाखा, एएनटीएफ दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त ओम पाल @रिंकू मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त ओम पाल @रिंकू फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR/Case No. 54/2017 U/s 21/25/29 NDPS Act., थाना: अपराध शाखा, एएनटीएफ दिल्ली की उक्त अभियुक्त ओम पाल @रिंकू से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 19.09.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पुनित नागपाल
DP/11029/Crime/2026 एनटी. स्पेशल (जज) (NDPS)
(Court Notice) कमरा नं. 222, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली



संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार



150 वर्षों से संपूर्ण भारत को मिल रही है **वन्दे मातरम्** से प्रेरणा
आइए इस स्वतंत्रता दिवस, हम उसी भावना से प्रेरित होकर फहराएं

हर.घर तिरंगा

— 'वन्दे मातरम्' की भावना को समर्पित —

9 से 17 अगस्त 2026

“पिछले कुछ वर्षों में, 'हर घर तिरंगा' अभियान ने पूरे देश को एक अद्भुत भावना के साथ एकजुट किया है। इस साल भी, आइए पूरे उत्साह के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान को आगे बढ़ाएं।”

- नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



आइए उन अनगिनत वीर स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करें जिन्होंने देश की
आज़ादी की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया

अपने आस-पास हो रहे 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रमों में भाग लें

तिरंगा यात्राएं

तिरंगा रैलियां

तिरंगा समारोह

सामूहिक 'वन्दे मातरम्' गायन

इस स्वतंत्रता दिवस पर 'सूर्यपथ तिरंगा' का अनुभव करें



'हर घर तिरंगा' के तहत पहली बार आयोजित होने वाली वैश्विक तिरंगा यात्रा, जो सूर्योदय की
आभा के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देशों में रह रहे भारतीयों को तिरंगे के साथ एकजुट करेगी

CBC 09101/13/0016/2627



गर्व के साथ
तिरंगा फहराएं



वन्दे मातरम् के प्रति सम्मान प्रकट
करें और तिरंगे के साथ अपनी
सेल्फी harghartiranga.com
पर अपलोड करें



सेल्फी अपलोड करने के
लिए स्कैन करें:
harghartiranga.com

केंद्रीय मंत्री ने महिला आरक्षण पर गिनाए नियम, परिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया और इसकी जरूरत बताई



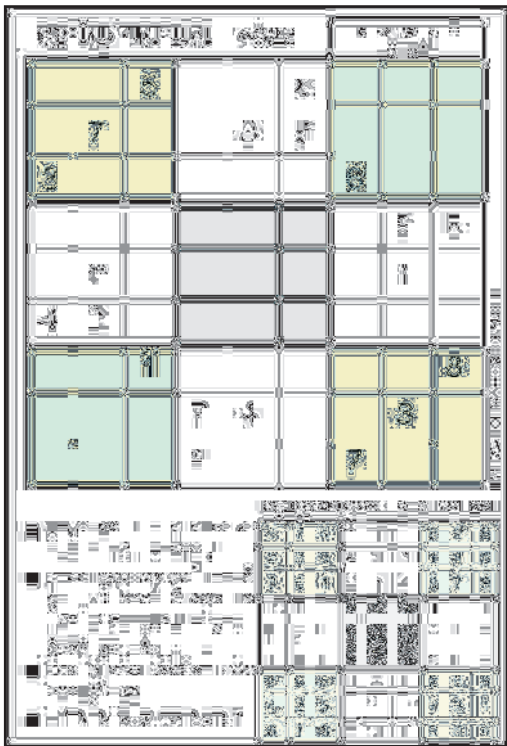
मुंबई। राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी (शरदगुट) के सभी 8 सांसद सोमवार को प्रधानमंत्री से मिलेंगे। सांसद सुप्रिया सुले ने यह जानकारी दी। सुले ने साफ किया कि हम सभी आठ सांसद महाराष्ट्र से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे।

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी मिलने पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि क्या भारत सच में स्वतंत्र है? जो भी आता है, भारत को शर्तें थोपता है। वह कहता है कि आप यहां से तेल खरीद सकते हैं, इतना तेल खरीद सकते हैं और वहां से तेल नहीं खरीद सकते।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलपति द्वारा परिसीमनपर बुलाई गई सर्वदलीय सांसदों की बैठक से विपक्षी दल समेत कई पार्टियों ने दूरी बना ली है। 57 सांसदों में से 37 गायब रहे।

ग	र	ज	न	र	स	ही	न
गु		वा	ह	हा		ग	
जा	म	नी	था	को	ई	रा	ला
र	ट	न		स		य	म
न		न		क	ल	म	क
	र	गै	र	ह	स्त	न	
	क	वि	वा	द		पु	स
क	म	रा		श		ब	से
प	म	न	मो	ह	न	हिं	ह
ट			क	र	गा		न
	म	त	ल	ब	ल	ज	न

गुजरात राज्य वफा दायीयूनल न
पर्याप्त कोर्ट फीस जमा नही होने के
आधार पर
कार्यवाही स्वीकार
करने से इनकार
कर दिया था
इसके खिलाफ
वफा संस्थाओं ने
गुजरात हाईकोर्ट
का रुख किया था
हाईकोर्ट ने दिसंबर 2015 में इन
याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा
था कि वफा संस्थाओं को कोर्ट फीस से
परी तरह 18ट नही मिली है।



ख़बर संक्षेप

असम में दो हाथीदांत जब्त, दो गिरफ्तार
गुवाहाटी। असम के तामुलपुर जिले में दो लोगों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से हाथी के दो दांत बरामद किए गए हैं। यह जानकारी शनिवार को एक पुलिस बयान में दी गई। बयान के अनुसार, राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने शुक्रवार रात को इस अभियान को अंजाम दिया। ये गिरफ्तारियां तामुलपुर के बंगालीगारा से की गईं। हाथी के दोनों दांतों का वजन क्रमशः 2.09 किलोग्राम और 1.97 किलोग्राम है।

विधायक ने समधी पर प्राथमिकी दर्ज कराई
सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले की सेवता विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ज्ञान तिवारी ने अपने समधी अनुज त्रिवेदी के खिलाफ धोखाधड़ी और तथ्य छिपाने के आरोप में रेउसा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, विधायक की बेटी प्रज्ञा तिवारी की शादी वर्ष 2024 में मिश्रिख क्षेत्र के चंद्रवाल निवासी अनुज त्रिवेदी के बेटे प्रखर त्रिवेदी से हुई थी।

बेटी व उसके प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या
मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में एक महिला ने अपने पति को दूध में कथित तौर पर रशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश करने के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इस वारदात में महिला की बेटी और उसके कथित प्रेमी ने भी उसका साथ दिया। पुलिस ने बताया कि हालांकि तीन दिन से लगातार तलाश के बावजूद शव बरामद नहीं हो सका है।

द्रमुक नेता पोनमुडी के खिलाफ वारंट रद्द
चेन्नई। नफरती भाषण मामले में द्रविड़ मुनेत्र कण्गम (द्रमुक) नेता और पूर्व मंत्री के. पोन्मडु के अदालत में पेश होने के बाद, शहर के मजिस्ट्रेट ने उनके खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट वापस ले लिया है। पोन्मुडी जॉर्ज टाउन (जोटी) - 3 मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में पेश हुए और छह अगस्त को जारी किए गए गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को वापस लेने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की।

ट्रंप के दामाद निजी यात्रा पर कोच्चि पहुंचे
कोच्चि। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद माइकल बोलोस शनिवार को निजी यात्रा पर कोच्चि पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप के पति माइकल बोलोस के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोरो भी मौजूद हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा था कि अपने प्रवास के दौरान बोलोस कोच्चि और पड़ोसी अलपुझा के पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि उनके कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी की पुष्टि नहीं हुई है।

अतीक की कब्र के बगल में बेटा अबान दफन
प्रयागराज। अतीक अहमद के 21 साल के बेटे अबान को प्रयागराज में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। शनिवार शाम 7 बजे उसे पिता अतीक की कब्र के बगल में दफनाया गया। तीनों भाइयों अली, उमर और अहजम ने अबान को कंधा दिया। जनाजे में शामिल होने के लिए 5-6 हजार लोग पहुंचे। सुश्रूषा के लिए कश्मिरान के आसपास 1,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। अबान का शव लेकर उसका भाई अहजम रोते हुए कश्मिरान पहुंचा। उत्तर प्रदेश पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो भीड़ बेकाबू हो गई और बैरिकेडिंग तोड़ दी। इस दौरान एक पुलिसकर्मी ने 2-3 लोगों को बंदूक की बट मारी।

सूर्यकांत बोले- सिर्फ कानून बनाने से नहीं मिलेगा न्याय

इंदौर (भाषा)। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि देश में लंबित मुकदमों की स्थिति अब 10 या 20 साल पहले जैसी नहीं है और मुकदमों के त्वरित निपटारे के लिए प्रौद्योगिकी के माध्यम से बनाई गई विभिन्न योजनाओं के 'बहुत अच्छे परिणाम' सामने आए हैं। अदालतों में मुकदमों के बरसों-बरस लंबित रहने के बारे में पूछे जाने पर सीजेआई ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि मुकदमों के लंबित रहने के कई कारण हैं और इनका धीरे-धीरे सिलसिलेवार तरीके से समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब देश में लंबित मुकदमों की स्थिति 10 या 20 साल पहले जैसी नहीं है। सीजेआई ने कहा कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से मुकदमों के त्वरित निपटारे के लिए बहुत सारी हमारी योजनाएं बनी हैं और इनके बहुत अच्छे परिणाम सामने आए हैं।"

लंबित केसों की स्थिति 10-20 साल पहले जैसी नहीं: सीजेआई

प्रौद्योगिकी से मिल रहे बहुत अच्छे परिणाम
सीजीआई ने कहा कि लोगों की अलग-अलग समस्याओं के मुताबिक उन्हें उचित कानूनी समाधान मुहैया कराए जाने चाहिए। अलग-अलग समुदायों का दुःख-दर्द उन्हीं की जुबान में सुना जाना चाहिए। गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों की अपनी अलग समस्याएं हैं, जबकि गोवा व मद्रा में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग चुनौतियां हैं। सीजीआई ने विधिक सेवा प्राधिकरणों से जुड़े स्वयंसेवकों को न्यायिक सेवा का हिस्सा बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका है। स्वयंसेवक गरिमापूर्ण और समावेशी तरीके से पीड़ितों को न्याय दिलाने में मदद करें।

लोगों का दुःख-दर्द उन्हीं की जुबान में सुना जाना चाहिए
सीजीआई ने कहा कि लोगों की अलग-अलग समस्याओं के मुताबिक उन्हें उचित कानूनी समाधान मुहैया कराए जाने चाहिए। अलग-अलग समुदायों का दुःख-दर्द उन्हीं की जुबान में सुना जाना चाहिए। गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों की अपनी अलग समस्याएं हैं, जबकि गोवा व मद्रा में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग चुनौतियां हैं। सीजीआई ने विधिक सेवा प्राधिकरणों से जुड़े स्वयंसेवकों को न्यायिक सेवा का हिस्सा बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका है। स्वयंसेवक गरिमापूर्ण और समावेशी तरीके से पीड़ितों को न्याय दिलाने में मदद करें।

रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा वायुसेना का विंग कमांडर

एजेंसी ► नई दिल्ली

वायुसेना की खुफिया शाखा ने मामले से जुड़ी जानकारी दिल्ली पुलिस के साथ साझा की थी, इसके बाद गिरफ्तार किया गया

साथी के फोन में जानकारी चुराने वाला सॉफ्टवेयर लगाने का भी आरोप



न्यायिक हिरासत में
दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, वायुसेना के विंग कमांडर को रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी कथित तौर पर लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

► मोबाइल पर नियंत्रण हासिल करना चाहता था

सूत्रों के अनुसार, वायुसेना का यह अधिकारी कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों की ओर से रचे गए हनी ट्रैप का शिकार हुआ था। उस पर एक साथी के मोबाइल फोन में जानकारी चुराने वाला सॉफ्टवेयर लगाने का भी आरोप है। उसका मकसद कथित तौर पर उस मोबाइल फोन पर नियंत्रण हासिल करना था। सूत्रों ने

■ पहले से ही निगरानी में था अधिकारी?

बताया कि वायुसेना की खुफिया शाखा ने मामले से जुड़ी खास जानकारी दिल्ली पुलिस के साथ साझा की थी। इसके बाद अधिकारी को गिरफ्तार किया गया। मामले की आगे की जांच जारी है। उस पर रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी और गुप्त दस्तावेज कथित तौर पर साझा करने का आरोप है।

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर की कई जिलों में छापेमारी

श्रीनगर। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने शनिवार को कश्मीर घाटी में कई जगहों पर छापेमारी की। यह छापेमारी टेरेर से जुड़े एक मामले के सिलसिले में की गई, जिसमें ऑनलाइन टेरेरिज्म को बढ़ावा देने और लोगों को आतंकवादी संगठनों में भर्ती करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि बारामूला, शोपियां, अनंतनाग, कुपवाड़ा, बांदीपोरा और अन्य जिलों में तलाशी अभियान चलाया गया। ये छापेमारी वर्ष 2023 से जुड़े एक मामले में की गई। यह मामला ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कथित गलत इस्तेमाल से जुड़ा है, जिसके जरिए टेरेरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा था और लोगों को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए उकसाया जा रहा था। समय तलाशी अभियान जारी था और आगे की जानकारी का इंतजार था।

हरियाणा नंबर का ट्रक राजमार्ग पर खड़ा था जालंधर में खड़े ट्रक से कार टकराई, तीन लोगों की मौत



एजेंसी ► जालंधर

पंजाब के जालंधर में शनिवार को एक राजमार्ग पर एक कार के खड़े ट्रक से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जालंधर डिवीजन-1 के थाना प्रभारी राकेश कुमार ने प्रत्रकारों से कहा, रहमं सुबह हादसे की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंचे तो हरियाणा नंबर वाला एक ट्रक सड़क पर खड़ा था। इसी खड़े ट्रक से टकरा जाने से कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। थाना प्रभारी (एसएफओ) ने बताया, "टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

तीनों के शव गाड़ियों में फंसे गए थे

तेज रफ़्तार स्विफ्ट कार खड़े ट्रक से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा गिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार में फंसे तीनों युवकों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों और पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दुर्घटनाग्रस्त कार और सड़क पर खड़े ट्रक के कारण हाईवे पर जाम लगा जाने के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया।

2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा का आरोप

तृणमूल के पूर्व विधायक सनत गिरफ्तार

एजेंसी ► कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित रॉय पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में भूमि धोखाधड़ी के एक मामले के संबंध में शनिवार को राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के समक्ष पेश हुए।

अधिकारियों के अनुसार, रॉय भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में जांच एजेंसी के सामने पेश हुए। उनकी यह पेशी उच्चतम न्यायालय द्वारा उन्हें 14 अगस्त तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिए जाने के बाद हुई है। यह राहत जांच में सहयोग करने की शर्त पर दी गई है। सीआईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले कहा था कि एजेंसी रॉय के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है और सबूतों के आधार पर दावों का सत्यापन करेगी। अधिकारी ने कहा था, "हम आरोपों की



जांच कर रहे हैं और सभी संबंधित दस्तावेज जुटा रहे हैं। हर आरोप का सत्यापन सबूतों के आधार पर किया जाएगा और उसके बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" उच्चतम न्यायालय ने रॉय को जांच में सहयोग करने और जरूरत पड़ने पर सुबह 10 बजे से शाम छह बजे के बीच पृष्ठताछ के लिए उपलब्ध रहने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि पृष्ठताछ के दौरान उनके साथ कोई वकील या अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं रहेगा।

सीआईडी ने अभिषेक के करीबी से धोखाधड़ी केस में 10 घंटे पूछताछ की

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित रॉय से पश्चिम बंगाल की सीआईडी ने शनिवार को करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। यह पूछताछ पश्चिम मेदिनीपुर जिले में सरकारी जमानत धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों ने रॉय से जांच एजेंसी के मुख्यालय भवानी भवन में पूछताछ की। उच्चतम न्यायालय ने जांच में सहयोग करने की शर्त पर उन्हें 14 अगस्त तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। सीआईडी के एक अधिकारी ने "पीटीआई-भाषा" को बताया, "हमारे अधिकारियों ने उनसे कई घंटे तक पूछताछ की। जांच अभी शुरूआती चरण में है और इस समय कुछ भी साझा नहीं किया जा सकता।"

रास में गूंजा मातृभाषा आधारित शिक्षा और राजस्थानी भाषा संवर्धन का मुद्दा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने की मजबूत पैरवी

एजेंसी ► नई दिल्ली

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने संसद के उच्च सदन राज्यसभा में मातृभाषा आधारित शिक्षा तथा राजस्थानी भाषा के संरक्षण और संवर्धन का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्यसभा में अतारंकित प्रश्न के जरिये पूछा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, संविधान के अनुच्छेद 350ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के अनुरूप राज्यों को मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किस प्रकार का मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

साथ ही उन्होंने राजस्थानी सहित क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन से जुड़े हालािया न्यायिक अवलोकनों के संदर्भ में केन्द्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी। डॉ. पूनियां ने कहा कि



राजस्थान की भाषाई विरासत अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है। राजस्थानी के अंतर्गत आने वाली मारवाड़ी, मेवाड़ी, शेखावाटी, हाड़ौती, दूंदवाड़ी, बागड़ी, मेवाती सहित विभिन्न बोलियां प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान की अमूल्य धरोहर हैं। इन भाषाओं और बोलियों में शिक्षा को प्रोत्साहन मिलने से नई पीढ़ी अपनी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं से अधिक मजबूती से जुड़ सकेगी। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने देशभर में मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं पर आधारित शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।



2029 में जेन-जेड बड़ा वोटिंग ग्रुप होगा

2029 में जेन-जेड सबसे बड़ा वोटिंग ग्रुप होगा। देश के ज्यादातर हिस्सों को गणना होगा और इस बात को समझना होगा कि युवा बदलाव चाहते हैं। अब सब कुछ पहले जैसा नहीं चल सकता है। दक्षिण एशिया की राजनीतिक पार्टियां अब यह नहीं मान सकती कि राजनीति के पुराने तरीके काम करते रहेंगे।



समुदाय को आज हम गैर अधिस्थिति या शटके-विमुक्त समुदाय करते हैं, वह जमी ज्ञान देने वाला समुदाय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि वे निस्वार्थ भाव से अपना ज्ञान बांटने के लिए बाहर जाते थे, लेकिन समय के साथ वे हाशिए पर चले गए। ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण पूरे पारधी समुदाय को "अपराधी जनजाति" घोषित कर दिया गया, जिससे वे विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गए।

राहुल वाले बयान पर थरूर की सफाई, यह पार्टी पर हमला नहीं
थरूर ने राहुल गांधी के जैन जी' समर्थन पर की टिप्पणी पर सफाई दी। उन्होंने अपरसीस जताया कि मीडिया इसे 'मेरी अपनी पार्टी या उसके नेतृत्व पर हमले' के तौर पर पेश कर रहा है। उनका मकसद बताया था कि पार्टियों को अपने दरवाजे खोलने चाहिए।

सियासत

आरएसएस प्रमुख भगवत के बयान पर कांग्रेस सांसद की प्रतिक्रिया

संघ की विचारधारा नहीं बदली उनका मकसद देश को हिंदू राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना

एजेंसी ► मुंबई

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि संघ का मुख्य मकसद भारत को हिंदू राष्ट्र और हिंदुत्व के रूप में आगे बढ़ाना है और यह मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली है। थरूर ने ये बात मुंबई में शुक्रवार शाम को ईंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस के कार्यक्रम में कही। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इसी कार्यक्रम में दिए बयानों को अच्छा संकेत माना है। उन्होंने कहा, 'मैं दस साल से संघ प्रमुख के बयानों को देख रहा हूँ। अब उनमें बदलाव दिखता है।' भागवत ने 6 जुलाई को जेन-जेड और जेन-अल्फा से 1 घंटे तक बातचीत की थी। भागवत ने कहा था, 'जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं। हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ।' राष्ट्रव्यापी छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उठाए गए कई मुद्दों को कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी 'छात्रों की गूंज' मुहिम के जरिए पहले ही उठा चुके थे, लेकिन उन चिंताओं पर जनता से वैसा समर्थन नहीं मिल सका था। सीजेपी के आंदोलन का मुख्य हिस्सा बनने से कई महीने पहले ही कांग्रेस ने ऐसी ही चिंताओं को उठाया था।

आज डिजिटल क्रांति के दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत मथानक है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? सवाल ये भी उठता है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्या लोकतंत्र के लिए जरूरी है या ये अपना खास एजेंडा लेकर काम करते हैं? कई देशों ने 16 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में क्या हमारे देश में भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? अगर इन प्लेटफार्म पर शिकंजा कसा जाए तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होगी? सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सशक्त पहलू



विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताकत अर्थहीन हो जाती है। अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

आज डिजिटल क्रांति के इस दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत मथानक है। इसका प्रभाव केवल आम आदमी पर ही नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत पहलू होता है। जनमत की शक्ति यानी वोट और विचार से ही सरकार का चुनाव, नीति निर्माण और समाज की दिशा तय होती है। जन सामान्य की यह शक्ति अपने तर्कों, विवेक और वैचारिकता से वास्तविकता का धरातल तैयार करती है। किंतु यही जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है। अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी

इस खेल में सोशल मीडिया पर क्या ट्रेंड करेगा, कौन सा विचार लाखों लोगों तक पहुंचेगा और किसे दबा दिया जाएगा, यह तय करने वाले एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। ये कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देती हैं जो सनसनीखेज हों, धुवीकरण को बढ़ावा दे या समाज में नफरत फैलाएं, क्योंकि जितना अधिक विवाद होगा, यूजर का उतना ही अधिक समय उस प्लेटफॉर्म पर बीतेगा और उतना ही मुनाफा कंपनियों को होगा। जब एक विदेशी कंपनी का कोड यह तय करने लगे कि किसी देश के नागरिक क्या सोचें और किस पर बहस करें तो यह वैचारिक गुलामी का एक नया और खतरनाक रूप है। हमारे नागरिक क्या पसंद करते हैं, किस राजनीतिक दल के प्रति उनका झुकाव है, उनकी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं क्या हैं, इन सबका सूझा डेटा विदेशी सर्वर पर स्टोर किया जाता है। इस डेटा का उपयोग करके अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और फिर चुनिंदा विज्ञापनों तथा प्रोपेगेंडा के माध्यम से जनता की सोच को धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से मोड़ा जाता है।



स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक

नागरिकों का व्यक्तिगत और सामूहिक डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रहना चाहिए और विदेशी ताकतों को नागरिकों के डेटा का व्यावसायिक या राजनीतिक दुरुपयोग करने की अनुमति किसी भी कोमत पर नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ-साथ स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक हम तकनीक के लिए पूरी तरह बाहरी ताकतों पर निर्भर रहेंगे, तब तक पूर्ण स्वतंत्रता की कल्पना करना बेमानी होगा। संक्षेप में कहें तो जनमत किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अंतरात्मा की जीवंत आवाज होती है। यदि उस आवाज को कोड, एल्गोरिदम की गूंज और विदेशी निर्माणों के व्यावसायिक हितों के जरिए कृत्रिम रूप से बदल दिया गया तो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र केवल कागजों पर सुरक्षित इतिहास हो जाएंगे। अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा के लिए वैचारिक और तकनीकी रूप से एकजुट हो तथा यह सुनिश्चित करें कि हमारा विवेक और भविष्य विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त रहे।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक न्यूज, बोट अकाउंट्स और लक्षित धुंधावर अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नैरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुली छूट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।

विदेशी कंपनियों पर नकेल कसें

इस गंभीर सवाल को उठाने के पीछे यह अभिप्राय बिल्कुल नहीं कि हम सूचना के प्रवाह को पूरी तरह बंद कर दें या वैश्वीकरण के इस दौर में आधुनिक डिजिटल युग से कट जाएं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ज्ञान के प्रसार, विज्ञान के विकास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अद्भुत और शक्तिशाली साधन हैं। परंतु स्वतंत्रता और अनियंत्रित एकाधिकार में एक बहुत बड़ा अंतर होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि कोई विदेशी निगम अपने व्यावसायिक फायदों के लिए देश के लोकतंत्र को खोखला करता रहे और हम देखते रहें। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार को इन विदेशी कंपनियों पर कड़ी नकेल करनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि देश की सीमा के भीतर काम करने वाला हर डिजिटल मंच यहां के संविधान, कानूनों और सांस्कृतिक संवेदनाओं का पूर्ण और ईमानदारी से सम्मान करे। इसके साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों को इस बात के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे पूरी पारदर्शिता बरतें और यह स्पष्ट करें कि उनके एल्गोरिदम किस प्रकार काम करते हैं तथा वे किसी विशेष कंटेंट को क्यों प्राथमिकता देते हैं।

सोशल मीडिया मंचों का नियमन जरूरी



व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालियों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। इसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं। सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्युनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जागत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्त्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की

सत्ता पर काबिज हुई। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है,

ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है।

जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका एल्गोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। सैन्दीप



सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन को ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है।

उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को

समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं।

वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं, जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया



मंथन

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने को लेकर बहस तेज होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी है। इतना ही नहीं, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का पढ़ाई, खेलकूद और परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय काफी कम कर दिया है। कई बच्चे घंटों रील और गेम में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से कई देश बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच को सीमित करने के लिए नए कानूनों और नियमों पर काम कर रहे हैं। हाल ही में मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर चुका है। इंडोनेशिया ने भी यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके अलावा फ्रांस, स्पेन, तुर्की, ग्रीस, डेनमार्क और नॉर्वे भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नए नियमों पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2019 में कोविड महामारी के दौरान बच्चों और किशोरों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल में भारी बदलाव आए। कई लोग इस बात से चिंतित हैं कि बच्चे ज़रूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन बिता रहे हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। लगभग बीस साल पहले माईस्पेस और ओकुट, मिक्सट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकप्रिय थे। तब से अब तक सोशल मीडिया में बड़ा बदलाव आ चुका है। 2006 में फेसबुक के आते ही वह ऑनलाइन गतिविधियों का एक प्रमुख जरिया बन गया। इसके बाद ट्विटर या एक्स आया, फिर 2010 में तस्वीरो पर



यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों-किशोरों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए? क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों?

कहा है कि सोशल मीडिया की उपलब्धता से कई खतरे पैदा हो गए हैं। उसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, तीस देशों में एक तिहाई बच्चों ने कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बुलिंग या मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है और इनमें हर पांच में से एक बच्चे ने स्कूल जाना बंद कर दिया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सरकारों को डिजिटल नीतियां बनाते समय बच्चों और किशोरों के लिए सोशल मीडिया से पैदा होने वाले खतरों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत में करोड़ों बच्चों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, देश में 14-16 साल के लगभग 90 फीसदी बच्चों

के पास स्मार्टफोन हैं और 75 फीसदी से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं। हालांकि सरकार ने हाल के वर्षों में डिजिटल सुरक्षा और डेटा संरक्षण से जुड़े कई नियम लागू किए हैं, लेकिन फिलहाल 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर कोई राष्ट्रीय स्तर का प्रतिबंध नहीं है। अगर भविष्य में भारत ऐसा कोई कदम उठाने का फैसला करता है, तो सरकार के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी। भारत जैसे विशाल देश में बच्चों की सही उम्र का ऑनलाइन वेरिफिकेशन करना, यूजर्स की प्राइवेसी को



सुरक्षित रखना और करोड़ों इंटरनेट यूजर्स पर इस नियम को सख्ती से लागू करना बेहद जटिल काम होगा। यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए। क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों। जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है।



पुनीती

योगेश कुमार सोनी

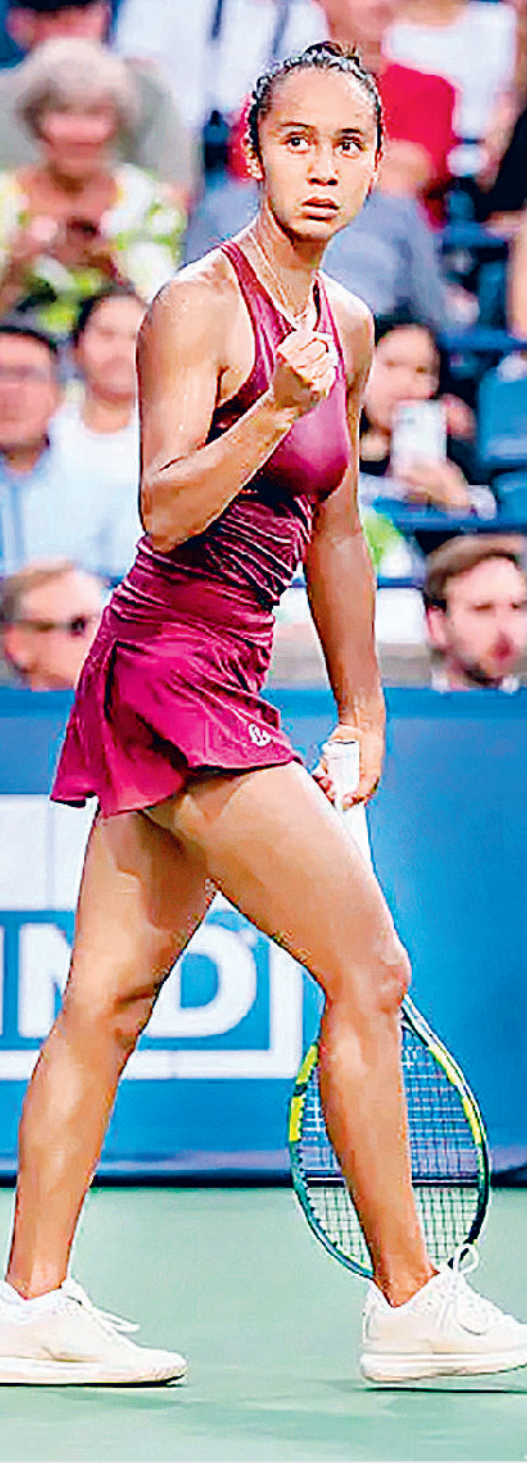
स्वतंत्र पत्रकार

हाल के दिनों में मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है? आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। इसका सरकारात्मक के साथ नकारात्मक प्रभाव भी है। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई, वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक था। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या झूठकानू सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है। यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना आपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरैक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और लेस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगों, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाएं पॉइंट की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं। इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादस्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में धुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिरकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं।

फर्नांडीज का शानदार प्रदर्शन, तोड़ा हार का सिलसिला, अंतिम 16 में एंट्री

कैनेडियन ओपन : लैला ने पांचवीं वरियता प्राप्त मीरा आंद्रीवा को दी मात



एजेंसी ►► मॉन्ट्रियल

यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरियता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना : फर्नांडीज
फर्नांडीज ने कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से प्वाइंट नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटती रहूँ, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूँ और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूँ। फर्नांडीज ने कहा, मैं खुद से कह रही थी कि बस गेंद को वापस कोर्ट में डालना है। मैंने लगातार अच्छा खेलने और एक के बाद एक शॉट लगाने की काफी प्रैक्टिस की है, और ऐसी रैलियां खेलने की कोशिश की है जिनमें हममें से कोई भी गलती न करे। मैं हमेशा इसी सोच पर वापस आती हूँ। मुझे पता है कि मैं ऐसा कर सकती हूँ।

आंद्रीवा के खिलाफ आसानी से बढ़त बनाई

फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सैंड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली।



फर्नांडीज ने लगाए 8 विनर्स, किए 7 एरर

मैच के आकड़े बाएं हाथ की खिलाड़ी की रणनीति के हिसाब से रहे। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में 34 अनफोर्स्ड एरर (बिना दबाव के गलतियां) किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज का खेल सधा हुआ था। उन्होंने आठ विनर्स लगाए और सात अनफोर्स्ड एरर किए।

USHA

ONLY COPPER MOTOR ALWAYS BETTER

USHA'S PROMISE TO YOU

3 YEAR WARRANTY

Microchip+
BLDC
100% COPPER MOTOR



www.usha.com

खबर संक्षेप



डेविस कप : दक्षिण कोरिया से क्वालीफायर खेलेगा भारत
नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया 18 और 19 सितंबर को भारत के खिलाफ डेविस कप दूसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। भारत इस समय डेविस कप रैंकिंग में 19वें और कोरिया 16वें स्थान पर है। कोरिया का भारत के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-5 का है। भारतीय टीम का चयन 10 अगस्त को किया जाएगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला एक दशक पहले हुआ था जब भारत ने चंडीगढ़ में एशिया ओशियाना ग्रुप एक के मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की थी। दूसरे दौर में विजयी रहने वाली टीम नवंबर में होने वाले अंतिम आठ मुकाबले में जगह बनाएगी। कोरिया 2022 और 2023 में 16 टीमों के डेविस कप फाइनल में पहुंच चुका है।

1 करोड़ हुई लड़ाख मैराथन की पुरस्कार राशि



लेह। लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। आयोजकों ने यह घोषणा की। लद्दाख मैराथन 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी और इसमें लगभग 10000 धावकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने कहा, 'इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत के 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के धावक भाग लेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के धावक भी इसमें अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।' केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रशासनिक सचिव संजीत रोड्रिग्स ने कहा, 'केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल ने पुरस्कार राशि को बढ़ाकर एक करोड़ रुपए करने का फैसला किया है।

अष्मिता ने फाइनल में बनाई जगह

कोरिया मास्टर्स : सेमीफाइनल में हमवतन रक्षिता को हराया

एजेंसी ►► आसन

अष्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-13, 16-21, 21-13 से हराकर पहली बार बोडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया।
■ **खिताब के लिए कियान शी से भिड़ेंगी चालिहा**
तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही 26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी। रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था। विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा अब खिताब के लिए चीन की हान कियान शी से भिड़ेंगी।



चालिहा ने की आक्रामक शुरुआत

चालिहा ने आक्रामक शुरुआत की और पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक हासिल कर 13-6 की बढ़त बना ली और फिर यह गेम अपने नाम करने में देर नहीं लगाई। रक्षिता ने हालांकि दूसरे गेम में बहुत अच्छी वापसी की। उन्होंने इस गेम में शुरू से लेजर आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। चालिहा ने तीसरे गेम में शानदार शुरुआत की और अपने करारे स्मेश के दम पर जल्दी ही 9-1 की बढ़त बना ली। इस बीच रक्षिता ने कुछ गलतियां कीं, जिसका चालिहा ने पूरा फायदा उठाया। हैदराबाद की रहने वाली रक्षिता ने स्कोर का अंतर 7-12 तक कर दिया, जिसके बाद चालिहा ने फिर से अपनी लय हासिल करके स्कोर 15-7 कर दिया। चालिहा ने इसके बाद नौ मैच प्वाइंट हासिल किए और दो मौके गंवाने के बाद मैच अपने नाम कर दिया।

फिलंटाफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के कोच का पद

लंदन। पूर्व हरफनमौला एंड्रयू फिलंटाफ ने इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फिलंटाफ ने सितंबर 2024 में यह पद संभाला था। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के जारी बयान में कहा, 'मैंने लायंस के साथ अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा, 'मैंने देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटर्स के साथ काम करने का पूरा मजा लिया और उन्हें आगे बढ़ते देखने में गर्व महसूस किया।' फिलंटाफ अब बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स टीम के मुख्य कोच होंगे।



राशिद ने चटकाए 6 विकेट, अफगान की बड़ी जीत



बीडी। जिस दिन वनडे क्रिकेट के 5000वें मैच की चर्चा हो रही थी, उसी दिन इस फॉर्मेट का 4999वां मैच भी खेला गया। सिर्फ कुछ मिनटों के अंतर के कारण दोनों मुकाबलों की ऐतिहासिक अहमियत में अंतर आ गया। अगर मुकाबले की बात करें तो 4999वां मैच भी खास साबित हुआ क्योंकि अफगानिस्तान ने इस मैच में आयरलैंड को उसके ही घर में 92 रन से हरा दिया। इस जीत के हीरो रहे अफगानिस्तान के सबसे बड़े स्टार राशिद खान, जिन्होंने 9 साल के लंबे इंटरजार के बाद एक पारी में 6 विकेट झटक लिए।

5000वां वनडे : स्कॉटलैंड ने रोमांचक मुकाबले में कनाडा को दी शिकस्त

एजेंसी ►► डन्डी

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत 1971 ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई थी। पहले वनडे मैच के करीब 55 साल बाद इस फॉर्मेट ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। मंस वनडे क्रिकेट के लिए बहुत खास रहा क्योंकि इस फॉर्मेट में 5000वां इंटरनेशनल मैच खेला गया। स्कॉटलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में कनाडा को हराकर इसे यादगार बना दिया। स्कॉटलैंड के डन्डी में मंस वर्ल्ड कप लीग 2 के इस



मुकाबले के साथ ही वनडे क्रिकेट ने 5000 मैच का पड़ाव छू लिया। अब इस मौके पर विश्व क्रिकेट की किन्हीं 2 बड़ी टीमों की टक्कर तो नहीं हुई लेकिन स्कॉटलैंड और कनाडा ने अपनी ओर से इस यादगार मुकाबले

को रोमांचक बनाने की पूरी कोशिश की और उसमें दोनों टीम सफल भी रहीं। बस सफलता स्कॉटलैंड के हाथ लगी।

फिनले मैक्करीथ ने टोका शतक

मैच की मेजबानी कर रही स्कॉटिश टीम ने पहले बैटिंग की और दूसरी ही गेंद पर टीम ने अपने अनुभवी बल्लेबाज जॉर्ज मंसी का विकेट गंवा दिया, जबकि 24 रन तक 2 विकेट गिर चुके थे। अगर इसके बावजूद स्कॉटलैंड ने 7 विकेट खोकर 281 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

एशिया कप में खेलना संदिग्ध

भारत को झटका, चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हुई जेमिमा



नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स सदरन बेव तरफ से खेलते हुए मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) के कारण मौजूदा 'द हंड्रेड' क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनका आगामी महिला टी20 एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है। सदरन बेव ने पुष्टि की कि टूर्नामेंट के शेष मैचों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। सदरन बेव

ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स के चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हो जाने के बाद बाकी बचे मैचों के लिए उनकी जगह चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा हम आपके जल्द से जल्द फिट होने की कामना करते हैं। 25 वर्षीय जेमिमा ने बेव की तरफ से छह पारियों में 35.75 के औसत और 131.19 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 42 रन रहा।

लियोनेल मेस्सी के पिता का निधन

मोंटेवीडियो (उरुग्वे)। फुटबॉल स्टार और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी के पिता जॉर्ज मेस्सी का शनिवार को मध्य अर्जेंटीना के शहर रोसारियो के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे। रोसारियो स्थित क्लब

एटलेटिको न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर के जरिए उनके निधन की जानकारी दी। पोस्टर में बताया गया कि पिछले कुछ सप्ताहों से उनका एक अज्ञात बीमारी के लिए उपचार चल रहा था।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूँकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियाँ जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachhisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



भारत-रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत और रूस ने रेलवे परिवहन, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), एसजे-100 क्षेत्रीय विमान और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच यह चर्चा भारत-रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक के दौरान हुई।

यह बैठक भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग के तहत गठित आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग कार्य समूह के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित की गई। बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने किया, जबकि रूसी पक्ष की ओर से रूस के उद्योग एवं व्यापार उपमंत्री अलेक्सी गुजदेव ने सह-अध्यक्षता की।

रेलवे नेटवर्क, ड्रोन, एसजे-100 विमानों और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए दोनों देश

12वें सत्र में आधुनिक औद्योगिकीकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, रेलवे अवसंरचना, उर्वरक एवं रसायन, दुर्लभ मृदा तत्व और क्रिटिकल मिनरल्स, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता निर्माण, ऊर्जा इंजीनियरिंग, औद्योगिक अवसंरचना, खनन उपकरण, और यूरिया उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया

►► 12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए

►► विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उप समूहों के कार्यों की समीक्षा

2nd Session of India-Russia Working Group on nization and Industrial Cooperation (IRWG-M&IC)



बैठक के दौरान अमरदीप सिंह भाटिया और अलेक्सी गुजदेव

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के पर मंथन

बैठक के दौरान रेलवे क्षेत्र में नए सहयोगी अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का विकास, वंदे भारत ट्रेन परियोजना और आधुनिक सिग्नलिंग उपकरणों से जुड़े विषय प्रमुख रहे। दोनों देशों ने रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

एयरो-इंजन और नौसे बाँड़ी जेट विमान बनाएंगे

इसके साथ ही मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), 3-डी प्रिंटिंग तकनीक, रूस के एसजे-100 क्षेत्रीय यात्री विमान के उत्पादन और एयरो-इंजन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एसजे-100 एक नौसे-बाँड़ी जेट विमान है, जिसमें लगभग 103 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। दोनों देशों के बीच कार्बन फाइबर तकनीक, प्रोपल्शन सिस्टम, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की आपूर्ति, औद्योगिक स्वचालन (ऑटोमेशन) तथा महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर भी बात हुई।

दोनों देशों के 60 प्रतिनिधि बैठक में शामिल रहे

बैठक के दौरान, दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने 12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए भारत और रूस ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा औद्योगिक एवं आर्थिक सहयोग को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में दोनों देशों के करीब 60 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस ने पीएम मोदी को फोन कर बात की नई दिल्ली । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने वेंस और उनकी पत्नी उषा को उनके बेटे के जन्म पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी को वेंस का यह फोन तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आया है। इस समझौते को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एक नए क्षेत्रीय गठबंधन के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बात हुई। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।" मोदी ने कहा, "मैंने वेंस और उनकी पत्नी को उनके बेटे के जन्म पर बधाई दी तथा पूरे परिवार को शुभकामनाएं दीं।" अमेरिकी पक्ष ने अभी तक बातचीत के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है।

नई दिल्ली पर 100% टैरिफ लगाने का अमेरिकी सांसदों ने किया विरोध

दोनों देशों की साझेदारी होगी प्रभावित रूस और चीन के करीब आया भारत

एजेसी ►► नई दिल्ली

अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को एक ऐसे विधेयक को पारित कर दिया, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने के मामले में भारत, चीन और तीन अन्य देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। अब यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में जाएगा। प्रतिनिधि सभा की बैठक 31 अगस्त को दोबारा शुरू होने के बाद इस पर विचार किया जाएगा। कानून बनने के लिए इस बिल को प्रतिनिधि सभा से भी मंजूरी मिलना जरूरी है। इसके बाद इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी पर यह कानून बन जाएगा। बिल राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। हालांकि, इस बिल को लेकर अब अमेरिकी सीनेटर्स ने ट्रंप प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। बता दें, अमेरिकी संसद में शुक्रवार को जो विधेयक पेश किया गया, उसका नाम ट्रंप के पूर्व करीबी और दिवंगत रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ओ ग्राहम के नाम पर रखा गया है, जो कि इस बिल के रचयिता भी थे। इसे लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्स ऑफ 2026 नाम से पेश किया गया। अमेरिकी सीनेट ने इसे बहुमत से पारित किया। इसके पक्ष में 86 वोट और विपक्ष में महज 11 वोट पड़े। 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को भारी बहुमत से मंजूरी दी है।

भारत-साइप्रस माइग्रेशन एबीमेंट पर चर्चा सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही पर जोर

नई दिल्ली। भारत और साइप्रस के बीच माइग्रेशन एवं मोबिलिटी एबीमेंट को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति पर यहाँ चर्चा हुई। साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के माइग्रेशन एवं इंटरनेशनल प्रोटेक्शन के उप मंत्री निकोलस ए. आयोनाइडस और स्थायी सचिव चारालाम्बीस रूसोस से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारतीय पेशेवरों और कामगारों के हितों की रक्षा के साथ सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही को मजबूत करने पर जोर दिया।

ट्रंप-नेतन्याहू को ईरान की चेतावनी

एजेसी ►► तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ी चेतावनी दी है और कहा है कि ईरान का संरेंडर करने की अमेरिका की मांग सिर्फ एक सपना है। पेजेशकियान ने कहा कि यह युद्ध ईरान ने शुरू नहीं किया है, जिसने यह युद्ध शुरू किया है, वही खत्म करेगा। हम ना झुकेंगे और ना ही किसी से डरेंगे। पेजेशकियान ने दावा किया कि ईरान अपने रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ेगा और पहले से ज्यादा मजबूत होगा। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान ने अपने विरोधियों की उन सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया है, जिनका एक ही मकसद था सैन्य दबाव के जरिए ईरान को कमजोर करना। हम पर इतने हमले हुए लेकिन इस मुश्किल घड़ी में भी ईरान आज एक मजबूत देश के रूप में खड़ा है और विरोधियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

भारत-अमेरिका संबंधों पर एड़ेगा नकारात्मक असर

अमेरिका की हिंद-प्रांतांत रणनीति कमजोर हो जाएगी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

यह कदम पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा: पॉल

ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि यह कदम अमेरिका के लिए अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारत-अमेरिका संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इससे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिका अपने एक अहम रणनीतिक साझेदार को रूस और चीन के और करीब धकेल सकता है।

अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ बढ़ेंगे तनाव: रॉन

वहीं, सीनेटर रॉन विडेन ने भी टैरिफ संबंधी प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम अमेरिका के आर्थिक और कूटनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

राष्ट्रपति को इतनी शक्ति देना ठीक नहीं

इस प्रस्ताव को लेकर सिर्फ रिपब्लिकन पार्टी में ही मतभेद नहीं हैं। कुछ डेमोक्रेट सांसदों ने भी राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने की व्यापक शक्तियाँ देने पर चिंता जताई है। उनका सवाल है कि अगर राष्ट्रपति को वैश्विक व्यापार पर इतने बड़े फैसले लेने की शक्ति मिलती है, तो इसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था पर पड़ सकता है। यानी भारत वाला मुद्दा अब अमेरिकी घरेलू राजनीति में भी बढ़स बन चुका है।

5 साल तक लागू रहेगा विधेयक

इस विधेयक में व्हाइट हाउस ने व्यापक छूट का प्रावधान करवाया है, जिससे राष्ट्रपति के पास दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के काफी व्यापक अधिकार रहेगा। बिल में 1996 के ईरान प्रतिबंध अधिनियम को भी 2031 तक बढ़ाने का प्रावधान है। नए टैरिफ लगाने का यह अधिकार पांच साल तक लागू रहेगा। इस कानून के तहत ईरान के साथ कारोबार करने वाली गैर-अमेरिकी कंपनियों पर सैंकेडरी आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाते हैं। यह कानून इसी साल समाप्त होने वाला था। बिल राष्ट्रपति को अमेरिका में आयात होने वाले रूसी सामान पर 500 फीसदी का व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार भी देता है।

तेल की कोई कमी नहीं, हमारे पास हमेशा 60 दिनों का कवर

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत ने इस वर्ष की शुरुआत में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से आपूर्ति में आई रुकावटों से उपभोक्ताओं को अलग-अलग स्रोतों से आपूर्ति, रिफाइनिंग क्षमता में बढ़ोतरी और घरेलू उत्पादन बढ़ाने जैसे कदम उठाकर संभारतापूर्वक बचाया।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने किया आश्वस्त

पुरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध से पहले भारत अपना आधा कच्चा तेल उन देशों से आयात करता था जो होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते का इस्तेमाल करते थे। साथ ही 90 प्रतिशत एलपीजी (रसोई गैस) और 60 प्रतिशत

प्राकृतिक गैस का आयात इसी रास्ते से होता था। लेकिन भारत ने अपने स्रोतों में विविधता लाकर देश में कहीं भी ईंधन की कमी नहीं होने दी।

पुरी ने देशभर में 1,07,000 से अधिक फ्यूल रिटेल आउटलेट के नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि एक भी स्टेशन पर ईंधन खत्म नहीं हुआ। हमें कभी

41 देशों से आ रहा कच्चा तेल

पुरी ने बताया कि भारत ने कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए अपने स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 कर लिया है, अपने फ्यूल रिटेल नेटवर्क को 2014 में लगभग 52,000 से बढ़ाकर लगभग 1,07,000 कर लिया है और शहर में गैस वितरण के दायरे को 55 भौगोलिक क्षेत्रों से बढ़ाकर 309 कर लिया है। भी कच्चे तेल की आपूर्ति की कमी का सामना नहीं करना पड़ा।

ख्वाब देखना बंद करो, हम ना रुकेंगे, ना झुकेंगे

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर हमला किया: संयुक्त अरब अमीरात

पेजेशकियान ने शुक्रवार को ईरानी सरकारी टीवी पर दिए गए अपने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, हमने युद्ध की शुरुआत नहीं की और युद्ध से पहले ईरानी सरकार बातचीत के जरिए इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन हालात धीरे-धीरे युद्ध की ओर बढ़ गए। विरोधियों को उम्मीद थी कि देश में सैन्य दबाव और बिगड़ती स्थिति के कारण ईरान बिखर जाएगा लेकिन उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ। पेजेशकियान ने ईरान के सुप्रीम लीडर मुत्तबा खामेनेई के बारे में बताया कि उनसे अभी बातचीत करना बहुत मुश्किल है, लेकिन खामेनेई की मौजूदगी ईरान की सबसे बड़ी ताकत है।

अमेरिका व्यवहार सुधारे तभी खुलेगा होर्मुज : ईरान

दुबई। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा है कि अमेरिका जब तक अपने व्यवहार में सुधार नहीं करता, होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। इस नए रुख के साथ ईरान ने जलमार्ग और वहां होने वाले आवागमन को लेकर किसी उम्मीदों के लिए बातचीत को प्रभावित करने वाली नहीं शर्त रख दी है। ईरान के सरकारी प्रसारक ने परिषद के सचिव एवं रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर मोहम्मद हाजेर जुलफ्द का बयान प्रसारित किया।

ट्रंप के जनरल ने चेताया- अमेरिका जंग से बाहर नहीं निकला तो...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और रूसर जाईंट वॉयस ऑफ स्टॉफ हेड जनरल डैन केन ने व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा कि अमेरिका को अब ईरान जंग से बाहर निकलने का रास्ता तलाशना चाहिए। सेना और खुफिया रिपोर्टों से ये स्पष्ट हो चुका है कि केवल बमबारी करके ईरान को झुकने पर मजबूर नहीं किया जा सकता है। पिछले छह महीनों से जारी इस युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक भी कम हो गया है। उनका मानना है कि अगर अमेरिका सैन्य ताकत बढ़ाता है तो यह उसके ऊपर उट्टा पड़ सकता है।



क्लीयर स्किन के लिए Clearwin Gel

ANTI ACNE GEL

सुरासे व फुरिया का कच करने में सहायक

जतिरिक्त तेल नियंत्रित करने में सहायक

नियान व धने कच करने में सहायक

Face Wash, Soap, Cream

9896134500 www.wellncare.com